चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 अप्रैल 2026, अंक –263.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

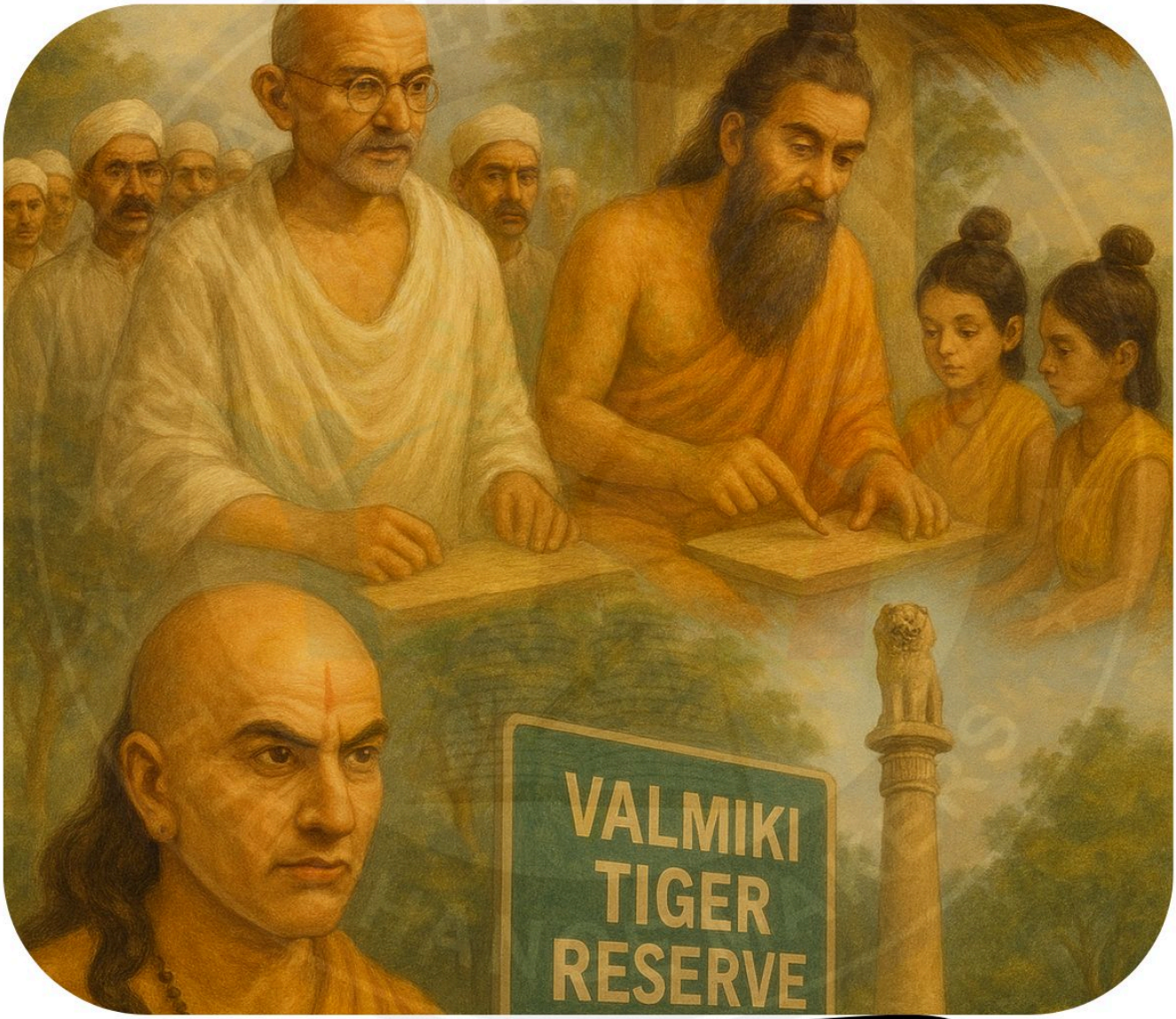

‘तुम किताबों के सामने झुक जाओ, ये तुम्हारे सामने दुनिया झुका देंगी।’। -Dr. Bhimrao Ambedkar

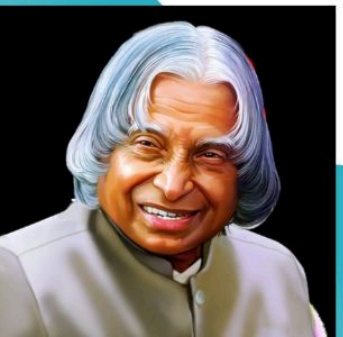

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नेपाल की राजधानी क्या है?
उत्तर: काठमांडू
प्रश्न 2. भारत के पहले कानून मंत्री कौन थे?
उत्तर: डॉ. भीमराव अंबेडकर
प्रश्न 3. लावणी नृत्य किस राज्य में किया जाता है?
उत्तर: महाराष्ट्र
प्रश्न 4. 5 का घन क्या है?
उत्तर: 125
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय पशु कौन सा है?
उत्तर: बैल
प्रश्न 6. बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 7. टेलीस्कोप का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: गैलीलियो
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में कुल कितने अनुच्छेद हैं (लगभग)?
उत्तर: 450
प्रश्न 9. 'नीला' शब्द किस प्रकार का विशेषण है?
उत्तर: गुणवाचक
प्रश्न 10. मनुष्य के शरीर में खून किस अंग द्वारा पंप किया जाता है?
उत्तर: हृदय

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

City – (सिटी) – शहर
Village – (विलेज) – गाँव
Country – (कंट्री) – देश
Mountain – (माउंटेन) – पर्वत
Sky – (स्काई) – आकाश
Sun – (सन) – सूर्य
Moon – (मून) – चंद्रमा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "मैं ... रहा/रही हूँ" (I am ...ing)

मैं पढ़ रहा/रही हूँ। – I am reading.
मैं लिख रहा/रही हूँ। – I am writing.
मैं खेल रहा/रही हूँ। – I am playing.
मैं खा रहा/रही हूँ। – I am eating.
मैं सीख रहा/रही हूँ। – I am learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 22 अप्रैल को प्रतिवर्ष कौन सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: पृथ्वी दिवस
व्याख्या: 22 अप्रैल को दुनिया भर में 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और पृथ्वी को प्रदूषण से बचाना है। वर्ष 1970 में इसकी शुरुआत हुई थी। प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्यावरण से जुड़े दिवस अक्सर पूछे जाते हैं।
संदर्भ: UNESCO/UN Environment Programme (2026).

2. हाल ही में किस भारतीय राज्य ने 'प्रत्येक घर नल का जल' योजना में 100% लक्ष्य प्राप्त किया? (समसामयिकी)
उत्तर: बिहार
व्याख्या: जल जीवन मिशन के तहत बिहार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुँचाने में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह प्रश्न बिहार की लोक कल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी रैंकिंग को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार (अप्रैल 2026).

3. "अष्टाध्यायी" नामक प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरण पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: पाणिनि
व्याख्या: महर्षि पाणिनि द्वारा रचित 'अष्टाध्यायी' संस्कृत व्याकरण का सबसे प्राचीन और प्रामाणिक ग्रंथ है। यह प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और भाषा विज्ञान के विकास को दर्शाता है। यह प्रश्न इतिहास और साहित्य दोनों दृष्टिकोणों से अति महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 6 Kingdoms, Kings and an Early Republic, p. 54.

4. 'ओजोन परत' का मुख्य कार्य क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: UV सुरक्षा
व्याख्या: ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवों की रक्षा करती है। यदि यह परत कमजोर होती है तो त्वचा कैंसर, आंखों की बीमारी और पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ सकता है। इसलिए ओजोन संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Science, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 250

5. 'हड़प्पा सभ्यता' किस युग से संबंधित है? (इतिहास)
उत्तर: कांस्य युग
व्याख्या: हड़प्पा सभ्यता को कांस्य युग की सभ्यता कहा जाता है क्योंकि इस काल में कांस्य धातु का व्यापक उपयोग होता था। यह सभ्यता नगर नियोजन, जल निकासी प्रणाली और व्यापार के लिए प्रसिद्ध थी। सिंधु घाटी की यह सभ्यता विश्व की प्राचीनतम शहरी सभ्यताओं में से एक है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 3 In the Earliest Cities, p. 25

6. 'मानसून' शब्द का संबंध किससे है? (भूगोल)
उत्तर: पवन
व्याख्या: मानसून शब्द अरबी भाषा के 'मौसिम' से बना है, जिसका अर्थ है मौसम। यह मौसमी पवनों को दर्शाता है जो दिशा बदलती हैं और भारत में वर्षा लाती हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून भारत की कृषि और जल संसाधनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 4 Climate, p. 36

7. 'निर्वाचन आयोग' का उल्लेख किस अनुच्छेद में है? (संविधान)
उत्तर: 324
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग की स्थापना और उसके अधिकारों का वर्णन करता है। यह आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करता है। लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और राष्ट्रपति चुनाव इसी के अधीन कराए जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 9 Civics, Ch 4 Electoral Politics, p. 72

8. 'कार्बोहाइड्रेट' मुख्य रूप से हमारे शरीर को क्या प्रदान करते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: ऊर्जा (Energy)
व्याख्या: कार्बोहाइड्रेट और वसा हमारे शरीर को ऊर्जा प्रदान करने वाले पोषक तत्व हैं। चावल, गेहूँ और आलू इसके प्रमुख स्रोत हैं। संतुलित आहार की अवधारणा को समझने के लिए पोषक तत्वों का ज्ञान आवश्यक है, जो विज्ञान का प्राथमिक अध्याय है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Science, Ch 2 Components of Food, p. 8.

9. 'वारली चित्रकला' किस राज्य से संबंधित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: महाराष्ट्र
व्याख्या: वारली चित्रकला महाराष्ट्र की पारंपरिक जनजातीय कला है, जिसमें सरल ज्यामितीय आकृतियों के माध्यम से दैनिक जीवन और प्रकृति को दर्शाया जाता है। यह कला मुख्यतः मिट्टी की दीवारों पर बनाई जाती है और इसमें सफेद रंग का उपयोग प्रमुख होता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 New Empires and Kingdoms, p. 105

10. बिहार के किस जिले में 'विश्व शांति स्तूप' स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: राजगीर (नलंदा)
व्याख्या: राजगीर की रत्नागिरि पहाड़ी पर स्थित 'विश्व शांति स्तूप' बौद्ध धर्म और शांति का प्रतीक है। इसे जापानी बौद्ध संघ द्वारा बनवाया गया था। बिहार के ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों से संबंधित यह प्रश्न परीक्षाओं में बार-बार पूछा जाता है।
संदर्भ: Bihar Tourism Board / NCERT Class 6 History (Post-Mauryan context).

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार लू (Heatwave) लगने पर प्राथमिक उपचार क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: ओआरएस (ORS) घोल
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (अप्रैल माह) के अनुसार, लू लगने पर शरीर में पानी की कमी हो जाती है। पीड़ित को ठंडी जगह पर लिटाकर जीवन रक्षक घोल (ORS) या नमक-चीनी का पानी देना सबसे प्रभावी प्राथमिक उपचार है।
संदर्भ: बिहार शिक्षा परियोजना परिषद (BEPC) प्रशिक्षण मॉड्यूल; सुरक्षित शनिवार मार्गदर्शिका।

12. एक मेज पर 3 सेब हैं और आपने 2 उठा लिए, तो आपके पास कितने सेब बचे? (रीजनिंग)
उत्तर: दो (2)
व्याख्या: यह प्रश्न आपकी एकाग्रता की जाँच करता है। चूंकि आपने 3 में से '2 सेब उठा लिए' हैं, तो वे 2 सेब अब आपके पास हैं। मेज पर 1 बचेगा, लेकिन प्रश्न आपके पास बचे सेबों के बारे में है। ऐसी पहेलियाँ बच्चों में तार्किक स्पष्टता विकसित करती हैं।
संदर्भ: Elementary Logic & Aptitude Questions (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Reluctant (रिलक्टेन्ट) = Unwilling (अनविलिंग) = अनिच्छुक
🔁 Antonym – Willing (विलिंग) = इच्छुक
Resilient (रिज़िलिएन्ट) = Strong / Tough (स्ट्रॉन्ग / टफ) = लचीला / मजबूत
🔁 Antonym – Weak (वीक) = कमजोर
Reckless (रेकलेस) = Careless (केयरलेस) = लापरवाह
🔁 Antonym – Careful (केयरफुल) = सावधान
Rigid (रिजिड) = Strict / Hard (स्ट्रिक्ट / हार्ड) = कठोर
🔁 Antonym – Flexible (फ्लेक्सिबल) = लचीला
Reveal (रिवील) = Show / Disclose (शो / डिस्क्लोज) = प्रकट करना
🔁 Antonym – Conceal (कन्सील) = छिपाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Samrat Choudhary presents first major decisions as Bihar CM; announces ₹15,000 crore special package for infrastructure, education and women empowerment.
सम्राट चौधरी ने बिहार CM के रूप में पहली बड़ी घोषणाएं कीं; इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए ₹15,000 करोड़ विशेष पैकेज घोषित।

PM Modi to visit Bihar on April 25; first visit after new government formation to inaugurate multiple development projects.
पीएम मोदी 25 अप्रैल को बिहार दौरे पर; नई सरकार गठन के बाद पहला दौरा, कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन।

India successfully test-fires extended range BrahMos missile from Su-30 MKI; enhances air-launched strike capability significantly.
भारत ने Su-30 MKI से विस्तारित रेंज ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया; एयर लॉन्च्ड स्ट्राइक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि।

INTERNATIONAL NEWS

US-Iran ceasefire extended by another 30 days after productive Oman talks; Trump says “real chance for permanent peace” in West Asia.
अमेरिका-ईरान युद्धविराम 30 दिन और बढ़ाया गया, ओमान में उत्पादक वार्ता के बाद; ट्रंप ने कहा “पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की असली संभावना”।

Israel agrees to pause strikes on Hezbollah for ceasefire duration; UN to deploy monitors along Lebanon border.
इज़राइल ने युद्धविराम अवधि के दौरान हिजबुल्लाह पर हमले रोकने पर सहमति जताई; UN लेबनान सीमा पर मॉनिटर तैनात करेगा।

Global oil prices drop sharply by $8 per barrel after extended Iran ceasefire; India to benefit from lower import bill.
ईरान युद्धविराम बढ़ने के बाद वैश्विक तेल कीमतें $8 प्रति बैरल गिर गईं; भारत को आयात बिल में राहत मिलेगी।

BIHAR NEWS

Nitish Kumar to take oath as Rajya Sabha MP on April 20 in New Delhi; says he will work for Bihar's development from Parliament.
नीतीश कुमार 20 अप्रैल को दिल्ली में राज्यसभा सांसद पद की शपथ लेंगे; कहा संसद से भी बिहार के विकास के लिए काम करेंगे।

New Bihar government announces recruitment drive for 50,000 government jobs in next six months; focus on youth employment.
नई बिहार सरकार ने अगले छह महीनों में 50,000 सरकारी नौकरियों की भर्ती अभियान घोषित किया; युवा रोजगार पर फोकस।

SPORTS NEWS

IPL 2026: RCB continues unbeaten run with thrilling win over Kolkata Knight Riders; Virat Kohli scores match-winning 78.
आईपीएल 2026: RCB ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर रोमांचक जीत के साथ अपराजित अभियान जारी रखा; विराट कोहली का मैच जिताऊ 78 रन।

Sanju Samson named Player of the Match as Rajasthan Royals defeat Punjab Kings; RR climbs to second position on points table.
संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को हराया; RR पॉइंट्स टेबल पर दूसरे स्थान पर।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"धरती की पुकार"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विषय था—पृथ्वी की सुरक्षा। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने बच्चों से पूछा—

"अगर हमारा घर गंदा हो जाए, पेड़ सूख जाएँ और पानी खत्म होने लगे, तो कैसा लगेगा?"

बच्चे चुप हो गए।

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक बच्चा था रवि। उसे पेड़-पौधों से बहुत प्यार था, लेकिन वह खुद कभी कुछ नहीं करता था। वह सोचता था—"एक मेरे करने से क्या फर्क पड़ेगा?"

एक दिन उसने सपना देखा—धरती सूखी पड़ी है, न पेड़ हैं, न पानी। लोग परेशान हैं। तभी एक आवाज़ आई—

"अगर हर कोई ऐसा ही सोचेगा, तो मुझे कौन बचाएगा?"

रवि डरकर उठ गया। उसे अपनी गलती समझ आ गई।

अगले दिन से उसने बदलाव शुरू किया।

स्कूल में पौधा लगाया।

पानी बेकार बहाना बंद किया।

प्लास्टिक का उपयोग कम किया।

धीरे-धीरे उसके दोस्त भी उसके साथ जुड़ गए। पूरा स्कूल एक छोटे से बदलाव का हिस्सा बन गया।

मैडम जी ने मुस्कुराते हुए कहा—

"बच्चों, बड़ा बदलाव हमेशा छोटे कदमों से शुरू होता है।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम अपनी पृथ्वी की रक्षा करेंगे।"

🌟 संदेश

"पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी है—आज बचाएँगे, तभी कल सुरक्षित होगा।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"टैगोर का शिक्षा दर्शन — प्रकृति, स्वतंत्रता और सृजनात्मकता"

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचनाएं देना नहीं है, बल्कि व्यक्ति को चराचर जगत (संपूर्ण ब्रह्मांड) के साथ सामंजस्य बिठाने के योग्य बनाना है। टैगोर उस समय की प्रचलित शिक्षा व्यवस्था के कड़े आलोचक थे, जिसे वे 'मशीनी' या 'जेल' की संज्ञा देते थे, जहाँ बच्चे चारदीवारी में बंद होकर केवल रटते थे। उनका स्पष्ट मत था कि एक बच्चा सबसे बेहतर तब सीखता है जब वह 'प्रकृति' के सान्निध्य में होता है और उसे अभिव्यक्ति की पूर्ण 'स्वतंत्रता' मिलती है।

टैगोर के दर्शन का केंद्र बिंदु है— 'प्रकृति के साथ जुड़ाव'। उनका प्रसिद्ध संस्थान 'शांतिनिकेतन' इसी विचार की उपज था, जहाँ कक्षाओं का आयोजन पेड़ों की छांव में होता था। उनका मानना था कि धूल, मिट्टी, धूप और बारिश बच्चे के सबसे बड़े शिक्षक हैं। एक शिक्षक के रूप में हमारे लिए टैगोर का संदेश यह है कि शिक्षा को बोझिल और उबाऊ होने के बजाय 'सृजनात्मक' (Creative) होना चाहिए। यदि बच्चा कक्षा में डरा हुआ है या वह अपनी जिज्ञासाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पा रहा है, तो वहाँ वास्तविक शिक्षण संभव ही नहीं है।

उदाहरण:

इसे अपनी कक्षा के परिवेश में लागू करके देखते हैं। मान लीजिए आप बच्चों को 'ऋतुओं के परिवर्तन' या 'पर्यावरण' के बारे में पढ़ा रहे हैं। पारंपरिक तरीका यह है कि आप ब्लैकबोर्ड पर लिखवा दें और बच्चे उसे याद कर लें। लेकिन टैगोर की दृष्टि वाला शिक्षक बच्चों को कक्षा से बाहर लेकर जाएगा। वह उनसे कहेगा कि वे हवा की सरसराहट को महसूस करें, पेड़ों से गिरते पत्तों के रंगों को देखें और मिट्टी की गंध को सूंघें। इसके बाद, वह बच्चों को प्रेरित करेगा कि वे जो महसूस कर रहे हैं, उसे एक कविता, एक चित्र या एक गीत के माध्यम से व्यक्त करें। यहाँ शिक्षक केवल सूचना नहीं दे रहा, बल्कि बच्चे की 'सृजनात्मक आत्मा' को जगा रहा है। जब बच्चा स्वयं सृजन करता है, तो वह ज्ञान उसके जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाता है।

शिक्षक साथियों, टैगोर ने 'विश्व-बंधुत्व' की भावना पर भी बहुत बल दिया। वे चाहते थे कि शिक्षा बच्चों को संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठाकर एक वैश्विक नागरिक बनाए। आज के प्रतिस्पर्धी युग में, जहाँ हम बच्चों को केवल 'नंबरों की दौड़' में झोंक रहे हैं, टैगोर का दर्शन हमें याद दिलाता है कि शिक्षा का असली काम बच्चे के भीतर की खुशी और कला को जीवित रखना है। एक खुशहाल बच्चा ही एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हम अपनी कक्षा के अनुशासन को इतना कठोर न बनाएं कि बच्चे की मौलिकता ही खत्म हो जाए। कोशिश करें कि सप्ताह में कम से कम एक दिन या एक घंटा ऐसा हो जहाँ बच्चे प्रकृति के बीच बैठकर अपनी पसंद की कोई कलात्मक गतिविधि करें। याद रखिए, जब शिक्षा में आनंद जुड़ता है, तभी वह 'संवर्धन' बनती है। विचार कीजिएगा, क्या आपकी कक्षा की दीवारें बच्चों की कल्पनाओं को रोक तो नहीं रहीं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 38

"(मैट्रिक के बाद – Painter (Building & Industrial Painting))"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि रंग, डिजाइन, सजावट (Decoration), भवन सौंदर्यीकरण और इंडस्ट्रियल कोटिंग में है, तो Painter (Building & Industrial Painting) एक व्यावहारिक, कम समय में रोजगार देने वाला और निरंतर मांग वाला कौशल आधारित कोर्स है। इस प्रशिक्षण में वॉल पेंटिंग, टेक्सचर/डेकोरेटिव फिनिश, पुट्टी-प्राइमर एप्लिकेशन, स्प्रे पेंटिंग, इंडस्ट्रियल कोटिंग, कलर मिक्सिंग, सेफ्टी स्टैंडर्ड्स आदि सिखाए जाते हैं—जो निर्माण व रखरखाव दोनों क्षेत्रों में काम आते हैं।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; हाथ से काम करने की रुचि और रंगों की समझ लाभकारी।

नामांकन प्रक्रिया:

ITI/स्किल कोर्स में प्रवेश मेरिट/डायरेक्ट एडमिशन से होता है। अधिकृत प्रशिक्षण व प्रमाणन की जानकारी हेतु Directorate General of Training – dgt.gov.in तथा Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी प्रशिक्षण मंच:

सभी जिलों के सरकारी ITI संस्थान

Bihar Skill Development Mission के केंद्र (शॉर्ट-टर्म स्किल कोर्स)

कोर्स अवधि: 3–6 माह (शॉर्ट-टर्म) या 1 वर्ष (ITI ट्रेड/एडवांस मॉड्यूल)।

रोजगार की संभावना:

कंस्ट्रक्शन कंपनियाँ, बिल्डिंग प्रोजेक्ट, इंटीरियर डिजाइन फर्म, इंडस्ट्रियल प्लांट, पेंट/कोटिंग सर्विस एजेंसियाँ। प्रारंभिक आय ₹10,000–22,000 प्रति माह; कुशल/कॉन्ट्रैक्ट कार्य में आय ₹25,000–40,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

घर-घर पेंटिंग सर्विस, टेक्सचर/डेकोरेटिव वर्क, कॉन्ट्रैक्ट प्रोजेक्ट—कम निवेश में टीम बनाकर उच्च आय संभव।

आगे के अवसर:

इंडस्ट्रियल पेंटिंग (हेवी कोटिंग), सुपरवाइजर/कॉन्ट्रैक्टर, इंटीरियर-फिनिशिंग विशेषज्ञ; विदेशों (Gulf देशों) में भी मांग।

वित्तीय सहायता:

कई कोर्स PMKVY के अंतर्गत निःशुल्क/कम शुल्क पर उपलब्ध हैं। उच्चतर तकनीकी प्रशिक्षण हेतु बिहार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) का लाभ लिया जा सकता है। छात्रवृत्ति के लिए National Scholarship Portal – scholarships.gov.in उपयोगी है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप कम समय में कौशल सीखकर तुरंत काम/कॉन्ट्रैक्ट लेना चाहते हैं और आगे अपना सर्विस बिज़नेस खड़ा करना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए व्यावहारिक व लाभकारी विकल्प है।

अगले पत्र में – ◆इंटरमीडिएट के बाद : BBA (Bachelor of Business Administration)। 📈

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

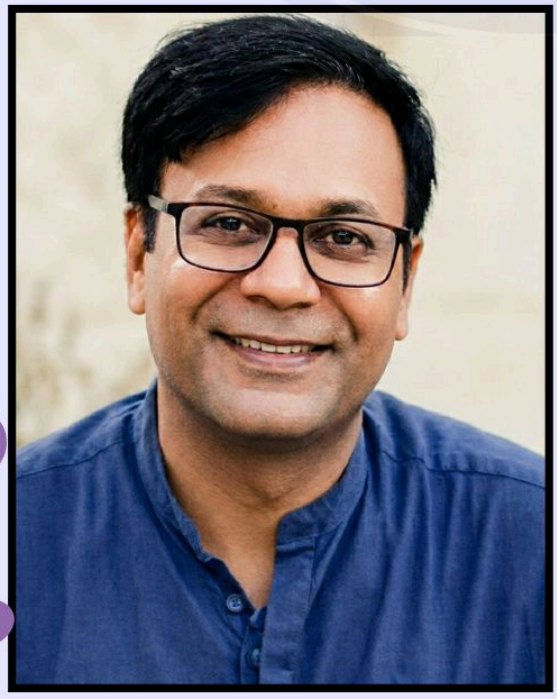

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org